



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

Cal  
19/10

सं० 126] नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 10, 1984/भाद्र 19, 1906  
No. 126] NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 10, 1984/BHADRA 19, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

निर्यात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं० 21-ई टी सी (पी एन)/84

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1984

विषय :—1984-85 के दौरान जीवित भैंस और जीवित  
भेड़ों (वयस्क) की निर्यात नीति के सम्बन्ध में।

मिसिल सं० 34 (2)/84 ई० 2:—अप्रैल 1984—मार्च,  
1985 की आयात-निर्यात नीति (जिल्द-2) की पृष्ठ  
सं० 8 पर के नीति विवरण की क्रम सं० 2 और 3 के  
सामने यथा संकेतित जीवित भैंस और जीवित भेड़ों (वयस्क)  
की निर्यात नीति की ओर ध्यान दिलाया जाता है।

2. इस बात का सुनिश्चित करने के लिए कि केवल  
स्वस्थ पशु ही निर्यात किए जाते हैं, निश्चय किया गया है कि  
जीवित भैंस और जीवित भेड़ों (वयस्क) के वास्तविक निर्यात  
से पूर्व उन्हें न्यूनतम 21 दिन तक के लिए संमरोधन अवस्था  
में रखा जाएगा और इस अवधि के दौरान पशुओं का निरीक्षण  
किया जाएगा और टीके (वैक्सीनेशन) लगाए जाएंगे। इस

अवधि के दौरान भेड़ों को पशु प्लेग, खुर और मुंह की बीमारी  
और भेड़ों को होने वाली चेचक से बचाने के लिए टीके  
लगाए जाएंगे और तपेदिक और ब्रूसेल्लिस के लिए भी  
उनकी जांच की जाएगी।

3. जीवित भैंस और भेड़ों (वयस्क) निर्यात के लिए  
निम्नलिखित क्रियाविधि अपनाई जाएगी :—

- (1) जीवित भैंस और भेड़ों (वयस्क) के निर्यात की  
अनुमति केवल बंबई और कांडला के पत्तनों से  
दी जाएगी।
- (2) भारत सरकार के सम्पूर्ण पर्यवेक्षण के अधीन  
संमरोधन किया जाएगा। बंबई से निर्यात  
की जाने वाली जीवित भैंस और भेड़ों (वयस्क)  
और कांडला पत्तन से निर्यात की जाने वाली भैंस  
और भेड़ों (वयस्क) के संबंध में जीवित पशुओं  
के निर्यात की अनुमति देने से पूर्व संमरोधन के  
संबंध में भारत सरकार की ओर से प्रमाणपत्र  
जारी करने के लिए क्रमशः निदेशक, पशुपालन  
महाराष्ट्र या उनकी ओर से प्राधिकृत अन्य प्राधि-  
कारी और निदेशक, पशुपालन, गुजरात या उनकी

और से प्राधिकृत अन्य प्राधिकारी प्राधिकृत होंगे। राजस्थान राज्य के भीतर संगरोधन में रखी गई भेड़ों के संबंध में प्रमाण पत्र निदेशक, भेड़ तथा ऊन विभाग, राजस्थान द्वारा जारी किया जाएगा।

- (3) जीवित भैंस और भेड़ों (वयस्क) के निर्यात के लिए उच्छुद्ध निर्यात संगरोधक के प्रयोजन के लिए आह्वान प्रदान करेंगे। विभाजन संगरोधन में संबंधित सुविधाओं के प्रयोजन के लिए आह्वान का निरीक्षण पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा के राज्य निदेशक द्वारा किया जाएगा और आह्वान के निरीक्षण के पश्चात् ही उसे निर्यात में पूर्व संगरोधन के कार्य के प्रयोजन के लिए अनुमोदित संगरोधन स्टेशन घोषित किया जाएगा।

- (4) संगरोधक के अधीन मशीनयुक्तों की पहचान "कान पर लगे टैग" से की जाएगी। प्रमाण प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए संगरोधन प्रमाण पत्र में "कान पर लगाने वाले टैग" की संख्या का उल्लेख किया जाएगा।

4. जीवित वयस्कों (वयस्क) के निर्यात की अनुमति अब तक किसी भी संगरोधन और टैगों के संबंध औपचारिकताओं के बिना दी जाती रहेगी किन्तु वह सामान्य चिकित्सा निरीक्षण और प्रमाणन के अधीन होगी।

प्रकाश चन्द जैन,

मुख्य नियंत्रक, निर्यात

## MINISTRY OF COMMERCE

### EXPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 21-ETC(PN)84

New Delhi, the 10th September, 1984

Subject :—Export Policy of Live Buffaloes and Live Sheep and Goat (Adult)—conditions regarding.

F. No. 34(2)/84-E-II.—Attention is invited to export policy of Live Buffaloes and Live Sheep (Adult) as indicated against S. No. 2 and 3 of the Policy Statement at page of 8 of Import and Export Policy April, 1984—March, 1985 (Vol. II).

2. In order to ensure that only healthy animals are exported it has been decided that Live Sheep (Adult) and Live Buffaloes before actual export, will be kept in Quarantine for a maximum period of

21 days during which period the animals will be subjected to inspection and vaccination. During this period Live Sheep will be vaccinated for Rinderpest, Foot and Mouth disease and Sheep pox. Similarly, buffaloes will be vaccinated for Rinderpest, Foot and Mouth disease and will also be tested for Tuberculosis and Brucellosis.

3. The following procedure will be followed for export of Live Buffaloes and Sheep (Adult) :—

- (i) Export of Live Buffaloes and Sheep (Adult) shall be allowed from Bombay and Kandla ports only.
- (ii) The Quarantine would be done under the overall supervision of Government of India. The Director of Animal Husbandry, Maharashtra or any other officer authorised on his behalf for Live Buffaloes and Sheep (Adult) intended to be exported from Bombay, and the Director of Animal Husbandry, Gujarat or any other officer authorised on his behalf for Live Buffaloes and Sheep (Adult) to be exported from Kandla port respectively are authorised to issue a certificate on behalf of Government of India in respect of quarantine, before export of live animals is allowed. Director, Department of Sheep and Wool, Rajasthan, would issue certificate in respect of sheep put up in quarantine within the State of Rajasthan.
- (iii) The exporters interested to export Live Buffaloes and Sheep (Adult) would offer premises for purpose of quarantine. The premises would be inspected by the State Directors of Animal Husbandry and Veterinary Service for the purpose of infrastructure facilities and after examination of the premises, the same will be declared as approved quarantine stations for the purpose of undertaking quarantine prior to export.
- (iv) All animals subjected to quarantine would be identified by 'Ear Tag'. The number of 'Ear Tag' shall be mentioned in the certificate of the quarantine issued by the certifying authority.
- (v) The exporters would pay the cost of the Ear Tags and vaccines used for the vaccination of the animals.

4. Export of Live Goats (Adult) shall continue to be allowed without any quarantine and vaccination formalities, and would be subjected to general Veterinary Inspection and certification as hitherto.

P. C. JAIN, Chief Controller of Imports & Exports